



Exotic

LOVELY & LAVISH VOL : 03

TEXTILE DEAL



S4U
SHIVALI

Exotic 301

TEXTILE DEAL

S4UTM
SHIVALI



मुक्त-गोपवासवर्गिने
तायमि विदुःस्य लीले दिव्यारम्भः
वारश्रवणोपपत्तिके वलि-सुर्यमुच्यते । वासि-तुल्यमन्त्रके
रक्ष्य वागिन्यं कुरीदं निश-सिति कल्पय
वा तत्र वयं गोवृषपो-...

Exotic 304

TEXTILE DEAL



S4UTM
SHIVALI

Exotic 303

TEXTILE DEAL

S4UTM
SHIVALI



Exotic 305

TEXTILE DEAL

S4U

SHYVA



Exotic 306

TEXTILE DEAL

शुभं कुरु भद्रं कुरु ॥
। यार्त्ता सुदुर्लभा तत्र च
नजराले प्रति श्रीकृपावचने तथेवा-
गो-विन्देति । श्रीगणेशाय नमः ॥



Exotic 301



Exotic 302



Exotic 303



Exotic 304



Exotic 305



Exotic 306

S4UTM
by
SHIVALI

Exotic
LOVELY & LAVISH VOL : 03